राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

July 2023

दैनिक जागरण, मंगलवार, 04 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्या 06.

शैक्षिक पारस्थितिकी तंत्र को मिलेगी मजबूती

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन को लेकर नीतिगत पहल करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर और महात्मा गांधी राजकीय इंजीनियरिंग कालेज (एमजीजीईसी) ज्योरी सुंदरनगर हिमाचल प्रदेश मिलकर कार्य करेंगे। जिसे लेकर एक अकादमिक समझौते के तहत दोनों संस्थानों के बीच एक एमओयू हुआ। इंजीनियरिंग कालेज ज्योरी सुंदरनगर के सभागार में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक डा. राकेश कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

ज्योरी सुंदरनगर हिमाचल प्रदेश में अकादमिक समझौते का आदान प्रदान करते (बाएं से दूसरे) एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी और गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कालेज ज्योरी के निदेशक डा. राकेश कुमार ■ जागरण

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश के उच्च शैक्षिक संस्थानों के मध्य पारस्परिक सहयोग पर आधारित मजबूत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और उसे मजबूती देने की भी जरूरत है। एमजीजीईसी के साथ किया गया एमओयू इसी दिशा में बढ़ाया गया एक और महत्वपूर्ण कदम है। कहा कि इस अकादमिक समझौते के तहत एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर एमजीजीईसी ज्योरी सुंदरनगर को पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान विकास, कौशल विकास कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और छात्रों व संकाय सदस्यों के प्रशिक्षण में भी एनआइटी सहयोग करेगा।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि यह अकादमिक समझौता होने से बीटेक छात्रों के लिए इंटर्नशिप, औद्योगिक प्रशिक्षण और इन हाउस ट्रेनिंग के भी कई नए अवसर मिलेंगे। एमजीजीईसी ज्योरी सुंदरनगर के निदेशक डा. राकेश कुमार ने एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनआइटी के साथ अकादमिक समझौता होना ऐतिहासिक पहल है। कहा कि दोनों संस्थानों के बीच संचार और सहयोग के चैनलों की स्थापना से शोध और नवाचार से संबंधित कार्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। पीएचडी छात्रों के लिए दोनों संस्थान संयुक्त रूप से संयुक्त पर्यवेक्षण भी करेंगे।

हिन्दुस्तान, मंगलवार, 04 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्या 05.

एनआईटी और एमजीजीईसी के बीच हुआ समझौता

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), उत्तराखंड श्रीनगर और महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज ज्योरी, सुंदरनगर के बीच एक शैक्षणिक समझौता हुआ है। जिस पर एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और एमजीजीईसी के निदेशक कम प्रिंसिपल डा. राकेश कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रो. अवस्थी ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास, शोध और नवाचार को इस समझौते से बढ़ावा मिलेगा।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि समग्र शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार योग्यता, नवाचार व उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि विषयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में प्रमुखता दी गई है। इस लक्ष्य को साधने के लिए देश के शैक्षणिक संस्थानों के बीच पारस्परिक सहयोग पर आधारित एक मजबूत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि समझौते के तहत एनआईटी, उत्तराखंड एमजीजीई, सुंदरनगर को पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान और कौशल विकास कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और संकाय विकास कार्यक्रम एनआईटी परिसर में छात्रों और संकाय के प्रशिक्षण करने में सहयोग प्रदान करेगा।

अमर उजाला, मंगलवार, 04 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्

एनआईटी और एमजीजीई कॉलेज के बीच हुआ शैक्षणिक समझौता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और महात्मा गांधी राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय ज्युरी, सुंदरनगर हिमाचल प्रदेश के बीच एक शैक्षणिक समझौता हो गया है। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी व एमजीजीई ज्युरी के निदेशक/प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

सोमवार को हिमाचल के सुंदरनगर में नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए एनआईटी व एमजीजीई कॉलेज ज्युरी, हिमाचल प्रदेश के बीच एक शैक्षणिक समझौता हुआ।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए बहुविषयक समग्र शिक्षा, कौशल विकास व रोजगार, नवाचार और उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों में क्षमता विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा में समान और समावेशी शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रमुखता दी गई है। एमजीजीईसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि एनआईटी जैसे राष्ट्रीय महत्व के एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के साथ एमओयू होना ऐतिहासिक पल है।

प्रो. कुमार ने बताया कि दोनों संस्थान उपलब्ध प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सॉफ्टवेयर जैसी अपनी सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने पर सहमत हुए हैं।

इस अवसर पर एमजीजीई ज्युरी के डीन डॉ. अमितेश शर्मा आदि मौजूद रहे। संवाद

राष्ट्रीय सहारा, मंगलवार, 04 जुलाई 2023,

एनआईटी व एमजी इंजीनियरिंग कॉलेज के बीच समझौता

श्रीनगर/एसएनबी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), उत्तराखंड और महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज ज्योरी, सुंदरनगर के मध्य एक शैक्षणिक समझौता पर हस्ताक्षर हुए जिस पर एनआईटी, उत्तराखंड के प्रो. ललित कुमार अवस्थी और एमजीजीईसी के निदेशक कम प्रिंसिपल डा. राकेश कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रो. अवस्थी ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए बहुविषयक और समग्र शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार योग्यता, नवाचार और उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण; डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा; समान और समावेशी शिक्षा; भारतीय ज्ञान प्रणाली आदि विषयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में प्रमुखता दी गयी है। इस लक्ष्य को साधने के लिए देश के शैक्षणिक संस्थानों के बीच पारस्परिक सहयोग पर आधारित एक मजबूत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने कि जरुरत है।

शोध और नवाचार संबंधित कार्यों को मिलेगा बढ़ावा

उन्होंने कहा कि एमजीजीईसी के साथ किया यह समझौता एनआईटी द्वारा शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण कि दिशा में बढ़ाया गया एक और कदम है। प्रो.अवस्थी ने कहा कि इस समझौते के तहत एनआईटी, उत्तराखंड एमजीजीई, सुंदरनगर को पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान और विकास, कौशल विकास कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और संकाय विकास कार्यक्रम एनआईटी परिसर में छात्रों और संकाय के प्रशिक्षण करने में सहयोग प्रदान करेगा। इसके अलावा इस समझौते में बी.टेक के छात्रों के लिए इंटर्नशिप, औद्योगिक प्रशिक्षण, अतिथिव्याख्यान, इनहाउसट्रेनिंग, कार्यशाला कार्यक्रम, औद्योगिक दौरों का संचालन और छात्र प्रशिक्षण और दीर, सुविधाओं को साझा करना, इनक्यूबेशन सेंटर और स्टार्ट अप सेल में संयुक्त सहयोग और भागीदारी की भी परिकल्पना की गई है। मजीजीईसी के निदेशक-कम-प्रिंसिपल डा.राकेश कुमार ने एमओयू पर हर्ष व्यक्त किया और प्रो. अवस्थी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड और महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज सुंदर नगर के साथ अकादमिक शैक्षणिक समझौता हस्ताक्षर किया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए शैक्षणिक जगत में नीतिगत पहल की आवश्यकता है यह बात प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान , उत्तराखंड ने महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज(एमजीजीईसी) ज्योरी, सुंदरनगर के साथ किये जा रहे एक अकादमिक समझौते के दौरान कही।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), उत्तराखंड और महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज ज्योरी, सुंदरनगर बीच सोमवार 3 जुलाई को एक शैक्षणिक समझौता किया गया जिस पर एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी और एमजीजीईसी के निदेशक-कम-प्रिंसिपल डॉ राकेश कुमार ने हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए बहुविषयक और समग्र शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार

योग्यता, नवाचार और उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण; डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा; समान और समावेशी शिक्षा; भारतीय ज्ञान प्रणाली;आदि विषयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में प्रमुखता दी गयी है। इस लक्ष्य को साधने के लिए देश के शैक्षणिक संस्थानों के बीच पारस्परिक सहयोग पर आधारित एक मजबूत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने कि जरूरत है। उन्होंने कहा कि एमजीजीईसी के साथ किया यह समझौता एनआईटी द्वार शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण कि दिशा में बढ़ाया गया एक और कदम है। प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि इस समझौते के तहत एनआईटी, उत्तराखंड एमजीजीई, सुंदरनगर को पाठ्यक्रम डिजाइन, अनुसंधान और विकास, कौशल विकास कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और संकाय विकास कार्यक्रम एनआईटी परिसर में छात्रों और संकाय के प्रशिक्षण करने में सहयोग प्रदान करेगा। इसके अलावा इस समझौते में बी.टेक के छात्रों के लिए इंटर्नशिप, औद्योगिक प्रशिक्षण, अतिथिव्याख्यान, इनहाउसट्रेनिंग, कार्यशाला कार्यक्रम, औद्योगिक दौरों का संचालन और छात्र प्रशिक्षण और दौरे, सुविधाओं को साझा करना, इनक्यूबेशन सेंटर और स्टार्ट अप सेल में संयुक्त सहयोग और भागीदारी की भी परिकल्पना की गई है।

एमजीजीईसी के निदेशक-कम-प्रिंसिपल डॉ राकेश कुमार ने एमओयू पर हर्ष व्यक्त किया और प्रोफेसर अवस्थी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनआईटी, उत्तराखंड राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है। समझौता ज्ञापन को ऐतिहासिक पहल बताते हुए

उन्होंने कहा कि ये एमओयू मानता है कि दोनों संस्थान सामान्य हितों और उद्देश्यों के लिए एकजुट हैं, और दोनों संस्थानों के बीच संचार और सहयोग के चैनलों की स्थापना से शोध और नवाचार संबंधित कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं, पीएचडी छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों आदि का आयोजन करेंगे। इसके अलावा दोनों संस्थान प्रत्येक संस्थान के लिए उपलब्ध प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सॉफ्टवेयर जैसी अपनी सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करने पर सहमत हुए हैं।

दैनिक जागरण, शनिवार, 08 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्या 06

बीटेक पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप का भी समावेश : अवस्थी

- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समझ को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
- एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने एनईपी के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर किए जा रहे कार्यों की दी जानकारी

एनआइटी श्रीनगर में पत्रकारों से रूबरू हुए निदेशक प्रो. ललित अवस्थी • जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के संदर्भ में गढ़वाल केंद्रीय विवि, केंद्रीय विद्यालय और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट के सहयोग से एनईपी की समझ को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

एनआइटी सभागार में पत्रकारों से बातचीत में एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने एनईपी के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संस्थान की ओर से किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एनईपी की समझ को लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लाभों और महत्वों को आमजन तक भी पहुंचाना है। कहा कि एनईपी को लेकर ही छात्रों के लिए बीटेक और एमटेक पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप का भी समावेश किया गया है। जिससे एनआइटी छात्रों को अध्ययन के दौरान ही व्यवहारिक ज्ञान और अनुभव भी मिलेगा। कौशल विकास के साथ ही छात्रों के समग्र विकास का उद्देश्य भी इससे प्राप्त होगा। कहा कि आगामी सेमेस्टर से सी, जावा और पायथन में प्रोग्रामिंग का उपयोग, डाटा स्ट्रक्चर, डाटा साइंस, मशीन लर्निंग को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। एनईपी के दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के साथ एमओयू किए हैं, जो छात्रों के समग्र विकास में बहुत लाभकारी है। निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर स्कूलों के शिक्षक और छात्रों के लिए एनआइटी कार्यशालाओं का भी आयोजन करने जा रहा है। इसके तहत लघु वीडियो प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएंगी। एनईपी की समझ कार्यक्रम से हम एनईपी के सभी आयामों को जनमानस तक पहुंचाने में भी सफल होंगे। बीटेक छात्रों के डिग्री और प्रमाणपत्र अब डिजीटल लाकर में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष भट्ट, डायट संस्थान के शिव कुमार भारद्वाज और अर्चना सजवाण ने भी एनईपी के कार्यन्वयन को लेकर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डा. रेनू बडोला डंगवाल ने किया। इस मौके पर एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन एकेडमिक डा. लालता प्रसाद, एनआइटी में एनईपी के समन्वयक डा. नितिन शर्मा, डा. सरोज रंजन दे आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सहारा, शनिवार, 08 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्या 05

एनईपी में युवा पीढ़ी को आत्मविश्वासी बनाने का लक्ष्य निहित

श्रीनगर/एसएनबी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर में गढ़वाल विवि, केंद्रीय विद्यालय, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनईपी की समझ शीर्षक पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा में युवा पीढ़ी को अधिक कुशल, आत्मविश्वासी, व्यावहारिक और गणनात्मक बनाने का लक्ष्य निहित है। एनईपी 2020 में शिक्षा प्रणाली के साथ-साथ स्कूलों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के मार्गदर्शन के लिए कई मूलभूत सिद्धांतों का समावेश किया गया है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड में एनईपी के क्रियान्वयन के लिए किए गए कार्यों कि जानकारी देते हुए कहा कि अभी तक शोधगंगा पोर्टल पर संस्थान से अब तक निर्गत कुल पर 19 पूर्ण पाठ्य पीएचडी थीसिस को अपलोड किया जा चुका है, एकेडमिक बैंक क्रेडिट के तहत एनआईटी उत्तराखंड द्वारा अब तक 469 अकाउंट बनाए जा चुके हैं। कहा डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म को अपनाते हुए स्नातक छात्रों के डिग्री एवं प्रमाण पत्र अब डिजिलॉकर में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस प्लेटफॉर्म पर कुल 1809 डिग्रियां और 2837 मार्कशीट अपलोड किये जा चुके है जिनमें से अब तक दर्ज कुल 4646 पुरस्कार में से 95 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा एनआईटी भविष्य में स्कूल टीचर्स और बच्चों के लिए एनईपी के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए लघु वीडियो प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना पर कार्य कर रहा है। मौके पर एनआईटी डीन लालता प्रसाद, रजिस्ट्रार धर्मेंद्र त्रिपाठी, डायट के शिव कुमार भारद्वाज, केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष भट्ट, कौशल विकास से अर्चना सजवाण, महिप सिंह आदि ने जानकारी दी। डा.नितिन शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डा. रेनू बडोला डंगवाल ने किया।

हिन्दुस्तान, शनिवार, 08 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्या 05.

छात्र विवि से शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकेंगे

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर में गढ़वाल विवि, केंद्रीय विद्यालय, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनईपी की समझ शीर्षक पर कार्यशाला आयोजित की गई।

इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा में युवा पीढ़ी को अधिक कुशल, आत्मविश्वासी, व्यावहारिक और गणनात्मक बनाने का लक्ष्य निहित है। कहा एनईपी के तहत एनआईटी के छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ गढ़वाल विवि से विभिन्न विषयों में शार्ट टर्म कोर्स भी कर सकेंगे।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड में एनईपी के क्रियान्वयन के लिए किए गए कार्यों कि जानकारी देते हुए कहा कि अभी तक शोधगंगा पोर्टल पर संस्थान से अब तक निर्गत कुल पर 19 पूर्ण पाठ्य पीएचडी थीसिस को अपलोड किया जा चुका है, एकेडमिक बैंक क्रेडिट के तहत एनआईटी उत्तराखंड द्वारा अब तक 469 अकाउंट बनाए जा चुके हैं। कहा डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म को अपनाते हुए स्नातक छात्रों के डिग्री एवं प्रमाण पत्र अब डिजिलॉकर में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कहा एनआईटी भविष्य में स्कूल टीचर्स और बच्चों के लिए एनईपी के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए लघु वीडियो प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना पर कार्य कर रहा है। मौके पर एनआईटी डीन लालता प्रसाद, रजिस्ट्रार धर्मेंद्र त्रिपाठी, डायट के शिव कुमार भारद्वाज, केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष भट्ट, कौशल विकास से अर्चना सजवाण आदि थे।

एनआईटी श्रीनगर में एनईपी को लेकर आयोजित कार्यशाला में बोलते वक्ता।

अमर उजाला, शनिवार, 08 जुलाई 2023, पृष्ठ संख्य

एनआईटी में नई शिक्षा नीति पर हुई कार्यशाला

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में नई शिक्षा नीति (एनईपी) की समझ विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारत को विश्व गुरु बनाए जाने और आम जन तक पहुंचाने पर चर्चा हुई।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नई शिक्षा नीति 21वीं सदी के आधुनिक विचारों को जोड़ने की परिकल्पना पर आधारित है।

केंवि के प्रधानाचार्य मनीष भट्ट ने नई शिक्षा नीति के तहत विद्यालय में आयोजित गतिविधियां बताईं। विशिष्ट अतिथि गढ़वाल विवि की सांख्यिकीय सहायिका अर्चना सजवान ने नई शिक्षा नीति के पाठ्यक्रमों और उनके महत्व तथा कार्यक्षेत्र के बारे में बताया।

इस मौके पर एनआईटी के कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डॉ. लालता प्रसाद आदि रहे। संवाद

एनईपी शिक्षा प्रणाली में मूलभूत सिद्धांतों का समावेश : प्रो. अवस्थी

○ प्रो. अवस्थी बोले, शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधारों से देश की युवा पीढ़ी बनेगी कुशल ○ चौतीस साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रतिस्थापित कर देश को नया आयाम दिया ○ एनईपी के तीन वर्ष पर एनआईटी में कार्यशाला संपन

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

श्रीनगर। शिक्षा को संकीर्ण सोच से बाहर निकालकर 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ने की परिकल्पना पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्कूली शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा और उच्च शिक्षा क्षेत्र में विभिन्न परिवर्तनकारी सुधारों के माध्यम से देश की युवा पीढ़ी को अधिक कुशल, आत्मविश्वासी, व्यावहारिक और गणनात्मक बनाने का लक्ष्य निहित हुआ है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एनईपी 2020 में शिक्षा प्रणाली के साथ-साथ स्कूलों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के मार्गदर्शन के लिए कई मूलभूत सिद्धांतों का समावेश किया गया है। देश की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन होने से देश के युवा आगे बढ़ेंगे और युवाओं के आगे बढ़ने से देश आगे बढ़ेगा।

यह बात राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर में गढ़वाल विवि, केंद्रीय विद्यालय, एसएसबी श्रीनगर, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पौड़ीके संपुक्त प्रयासों द्वारा एनईपी की समग्र शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कही। उन्होंने कहा कि उच्च और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एनईपी कि भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में सुधारात्मक परिवर्तन के लिए एनईपी में नौ विषयों की पहचान की गयी है, जिसमें बहुविषयक और समग्र शिक्षा; कौशल विकास और रोजगार, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण, गुणवत्ता, रैंकिंग और मान्यता; डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा; न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण का उल्लेख किया गया है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि तीन वर्ष पूर्व 29 जुलाई 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी गयी थी। देश के विभिन्न राज्यों से प्राप्त लगभग 2 लाख से अधिक सुझावों के आधार पर यह नीति तैयार की गयी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने जुलाई 2020 में सन 1986 से चली आ रही चौतीस साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रतिस्थापित कर देश को नया आयाम दिया है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि एकेडमिक बैंक क्रेडिट के तहत एनआईटी उत्तराखंड द्वारा अब तक 469 अकाउंट बनाए जा चुके हैं। एकेडमिक बैंक क्रेडिट मुख्यत: आभासी/डिजिटल भंडारगृह है और यह छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान अर्जित क्रेडिट की जानकारी संगृहीत करता है। साथ ही यह छात्रों को कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में प्रवेश करने और छोड़ने के लिए कई विकल्प प्रदान करने में सक्षम होगा, डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म को अपनाते हुए स्नातक छात्रों के डिग्री एवं प्रमाण पत्र अब डिजिलॉकर में उपलब्ध कराये जा रहे है। इस प्लेटफॉर्म पर कुल 1809 डिग्रियां और 2837 मार्कशीट अपलोड किये जा चुके है। जिनमें से अब तक दर्ज कुल 4646 पुरस्कार में से 95 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा एनआईटीयूके एक ओर जहां भारत को कागज रहित बनाने में योगदान दे रहा है वहीं दूसरी ओर यह छात्रों को सार्वजनिक क्लाउड पर सुरक्षित दस्तावेज़ प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम में एनआईटी के कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन अकादमिक डॉ लालता प्रसाद ने एनईपी से देश की शिक्षा एवं युवाओं में होने वाले परिवर्तनों को सबके के समक्ष रखा। कहा कि क्रेडिट के हस्तांतरण की सुविधा के लिए, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना, आईआईटी और आईआईएम के बराबर देश में बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) की स्थापना एवं उच्च शिक्षा में एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन कि स्थापना करने का प्रावधान है। केंद्रीय विद्यालय, एसएसबी के प्रधानाचार्य मनीष भट्ट, डायट पौड़ी के प्रवक्ता डा. शिव कुमार भारद्वाज, साख्यिकीय सहायिका सुश्री अर्चना सजवाण ने अपने स्थानों में एनईपी के तहत होने वाले कार्यक्रमों एवं युवाओं के लिए किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी रखी।

एनईपी से स्कूली शिक्षा के लिए प्रासंगिक कुछ प्रमुख सिद्धांत

प्री-प्राइमरी स्कूल से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना, 3-6 वर्ष की आयु को बच्चों की मानसिक क्षमता के विकास के लिए विश्व स्तर पर एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में मान्यता दी गई है, बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान 10+2 प्रणाली को क्रमश: 3 से 8, 8 से 11, 11 से 14 और 14 से 18 वर्ष की आयु के अनुरूप एक नई 5+3+3+4 पाठ्यक्रम संरचना द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना, स्कूल न जाने वाले लगभग 2 करोड़ बच्चों को मुख्य विद्यालयी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से मुख्य धारा में वापस लाना, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पर जोर के साथ स्कूलों में विज्ञान, कला और व्यावसायिक पाठ्यक्रम बीच अलगाव को समाप्त करना और व्यावसायिक शिक्षा का शुभारम्भ कक्षा 6 से इंटर्नशिप के साथ शुरू करना जिसका उद्देश्य शिक्षा के साथ छात्रों के कौशल का विकास करना है। बहुभाषावाद और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने, छात्रों के समग्र विकास के लिए उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण करने के लिए एक नए राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख, की स्थापना का प्रावधान, एनसीईआरटी के परामर्श से नेशनल कौंउन्सिल फॉर टेकिनकल एजुकेशन द्वारा एक नया और व्यापक नेशनल करिकुलम फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीएफटीई) का निर्माण।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड में एनईपी की तीसरी वर्षगांठ पर संयुक्त पत्रकार सम्मेलन में कार्यशाला का आयोजन किया गया

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) कार्यान्वयन के तहत- एक उज्ज्वल भविष्य-2040 तक एक परिवर्तित शिक्षा प्रणाली की ओर यात्रा जारी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की दीक्षांत समारोह - 2023-कुल 1916 को अपनी उपाधि प्राप्त होगी

धीरेन्द्र सिंह रावत

हरिद्वार/रूड़की (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) स्नातक छात्रों के लिए रुड़की परिसर के कन्वोकेशन हॉल में संस्थान का दीक्षांत समारोह-2023 समारोह आयोजित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री बी वी आर मोहन रेड्डी की अध्यक्षता में होने वाले समारोह में कुल 1916 लोग अपनी उपाधि प्राप्त करेंगे। बॉश ग्लोबल सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज (बीजीएसडब्ल्यू) के सीईओ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री दत्तात्रि सलगामे समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

176 साल पुराना यह प्रमुख संस्थान देश में तकनीकी शिक्षा का नेतृत्व कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन में भी संस्थान सर्वप्रथम है। संस्थान ने हाल ही में एनईपी 2020 के अनुरूप अपने स्नातक पाठ्यक्रम को संशोधित किया है और इसका उद्देश्य छात्रों की वैश्विक आकांक्षाओं के साथ तालमेल बनाए रखना है। यह अपने मास्टर पाठ्यक्रम को अद्यतन करने की प्रक्रिया में भी है।

संस्थान नए स्नातक पाठ्यक्रम को शुरू कर रहा है, जिसकी शुरुआत नए चुने छात्रों से होगी जो 01 अगस्त, 2023 को संस्थान से जुड़ रहे हैं। कौशल विकास एवं उद्यमिता पर जोर देने के साथ, नया पाठ्यक्रम छात्रों को अत्यधिक लचीले ढांचे में बहु-विषयक और समग्र शिक्षा के अवसर प्रदान करता है जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत परिकल्पित किया गया है। पाठ्यक्रम संशोधन दर्शन स्टेप्स (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता, परियोजना-आधारित शिक्षा और सामाजिक जुड़ाव) पर आधारित था। तदनुसार, जहां संस्थान अपने छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है, वहीं यह छात्रों को भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पाठ्यक्रम भी पढ़ा रहा है और सामुदायिक आउटरीच पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को समाज से जोड़ रहा है। जैसा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल कार्यान्वयन के अपने तीन वर्षों का जश्न मना रहा है, संस्थान भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली बनाकर उत्सव का भाग बनने का दावा करता है जो भारत को बदलने में योगदान देता है। भविष्यवादी पाठ्यक्रम, जिसे विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ एक लंबी और कठोर परामर्श प्रक्रिया और विचार-मंथन सत्र के माध्यम से डिजाइन किया गया था, को एनईपी 2020 को लागू करते समय भारत में तकनीकी शिक्षा प्रणाली में एक मॉडल ढांचे के रूप में देखा गया है।

नए पाठ्यक्रम में, सभी कार्यक्रमों में छात्र भौतिकी, गणित और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के अलावा सॉफ्ट स्किल्स, टिंकरिंग और मेंटरिंग, डेटा साइंस,

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस), पर्यावरण विज्ञान और स्थिरता (ईएसएससी), सामुदायिक आउटरीच (कोर) पर पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। जबकि, प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा नए पाठ्यक्रम के हॉल-मार्क में से एक रही है, संस्थान छात्रों को उद्योग के सहयोग से व्यावसायिक कौशल विकसित करने में भी सक्षम बनाता है जैसा कि एनईपी 2020 में जोर दिया गया है। संस्थान ने अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से क्रेडिट ट्रांसफर, यूजी, मास्टर्स एवं पीएचडी छात्रों के लिए सेमेस्टर एक्सचेंज प्रोग्राम, वैश्विक भागीदारों के साथ संयुक्त और दोहरी उपाधि कार्यक्रम के प्रावधान बनाए हैं।

एनईपी 2020 की भावना में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने अंतःविषय और बहु-विषयक शिक्षा के लिए पर्याप्त अवसर पैदा किए हैं। संस्थान विभिन्न विषयों में लघु विशेषज्ञता और एकीकृत दोहरी उपाधि (आईडीडी) कार्यक्रम प्रदान करता है। इस प्रकार, एक मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्र अर्थशास्त्र में मामूली विशेषज्ञता अर्जित कर सकता है। इसी तरह, संस्थान के कई विभाग संयुक्त रूप से छात्रों के लिए एक ही मंच पर कई क्षेत्रों से सीखने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एकल कार्यक्रम की पेशकश करते हैं। संस्थान देश के बाहर के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ संयुक्त डिग्री और दोहरी डिग्री कार्यक्रम भी प्रदान करता है। संस्थान देश के बाहर के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ संयुक्त उपाधि एवं दोहरी उपाधि कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

संस्थान जाति, पंथ, लिंग, राष्ट्रीयता आदि से परे सभी के लिए समावेशी वातावरण का पोषण करता है। इसे बढ़ावा देने के लिए, संस्थान ने शिक्षार्थियों में विभिन्न नवीन योजनाएं बनाई हैं जैसे सकुंतला (प्रतिभा उन्नति के तहत ज्ञान के उम्मीदवारों के लिए योजना) पीएचडी में फेलोशिप, मास्टर्स एवं पीएचडी में गोल्डन गर्ल, महिला उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क में छूट और महिला और अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त सीट। संस्थान ने एनईपी की भावना में एक मजबूत निकास नीति भी विकसित की है और नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) लागू की है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने पर एक व्यापक ब्रीफिंग में, संस्थान ने एनईपी के सफल तीन वर्षों का जश्न मनाया। एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के साथ, माननीय प्रधानमंत्री का लक्ष्य 2040 तक एक ऐसी शिक्षा प्रणाली बनाना है जो किसी से पीछे नहीं है, जिसमें सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी शिक्षार्थियों के लिए उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा तक समान पहुंच हो। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और इसका उद्देश्य हमारे देश की कई बढ़ती विकासात्मक अनिवार्यताओं को संबोधित करना है।

यह नीति भारत की परंपराओं और मूल्य प्रणालियों पर निर्माण करते हुए एसडीजी4 सहित 21वीं सदी की शिक्षा के आकांक्षात्मक लक्ष्यों के अनुरूप एक नई प्रणाली बनाने के लिए, इसके विनियमन और शासन सहित शिक्षा संरचना के सभी पहलुओं को संशोधित और नया रूप देने का प्रस्ताव करती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि संस्थान एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की तीसरी वर्षगांठ के साथ-साथ अपने वार्षिक उपाधि प्रदान कार्यक्रम का जश्न मनाने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। कुलशासक शैक्षणिक मामले, प्रोफेसर अपूर्व कुमार शर्मा ने घोषणा की कि स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले स्नातक छात्रों की संख्या 1,076 है, जबकि 686 छात्र अपनी मास्टर उपाधि प्राप्त करेंगे, और 154 छात्रों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी।

बड़ी संख्या में स्नातक छात्र, अभिभावक एवं अन्य संकाय सदस्य स्नातक समारोह में भाग लेंगे, जिसकी अध्यक्षता बीओजी के अध्यक्ष श्री बी वी आर मोहन रेड्डी करेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. के.के. पंत स्वागत भाषण देंगे व निदेशक की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। प्रोफेसर पंत ने इस अवसर पर सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी। निदेशक ने अपनी रिपोर्ट में एनईपी 2020 पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नया यूजी पाठ्यक्रम समानता और अखंडता के साथ गुणवत्ता के उच्चतम स्तर का पालन करते हुए वर्तमान सीखने के परिणामों और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच अंतर को पाट देगा।

प्रोफेसर केके पंत ने उन किस्सों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे स्नातक बैच के कुछ छात्रों ने अभूतपूर्व परिवर्तन को अपनाया और फिर भी कठिन समय के दौरान सकारात्मक बने रहे, प्रोफेसर केके पंत ने उदाहरण साझा किए कि कैसे उन्होंने अवसरों का लाभ उठाया तथा अच्छा परिणामों के लिए सबसे खराब का प्रयोग किया। उन्होंने कहा, आप कैसे एवं क्या सोचते हैं, इस पर कुछ नियंत्रण विकसित करना, सीखने का हिस्सा है। जीवन को आगे बढ़ाने के लिए दिशा और जुनून की भावना आवश्यक है। संस्थान को, भविष्य के बेहद प्रतिभाशाली कार्यबल में योगदान देने पर गर्व है, जो बदले में समाज को बदलने में योगदान देगा। उन्होंने आगे कहा कि वह एनईपी 2020 को अपनाने के परिणाम को लेकर बहुत आशावादी हैं।

प्रोफेसर पंत ने कहा कि तेजी से बदलते रोजगार परिदृश्य और वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र में शिक्षा के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। केवल सामग्री पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, उन्होंने छात्रों को गंभीर रूप से सोचने और समस्याओं को हल करने, रचनात्मकता और बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और नई चुनौतियों और अवसरों के सामने नवाचार को प्रोत्साहित करने के महत्व पर जोर दिया।

संस्थान का यह दूरदर्शी दृष्टिकोण, जैसा कि उल्लिखित है, एनईपी 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप है, जो कौशल विकास, समग्र शिक्षा और छात्रों को तेजी से विकसित हो रही दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करने पर जोर देता है।

एनईपी 2020 पर एनआईटी उत्तराखंड एवं उत्तराखंड कौशल विकास और उद्यमिता के परिप्रेक्ष्य

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, उत्तराखंड में कौशल विकास और उद्यमिता के क्षेत्रीय निदेशक, श्री रवि पितुकोटी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) कार्यान्वयन के साथ कौशल विकास पहल को एकीकृत करने पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में छात्रों को रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल से लैस करने के महत्व पर जोर दिया। श्री रवि पितुकोटी ने कौशल विकास कार्यक्रमों एवं आईआईटी रुड़की व एनआईटी उत्तराखंड जैसे शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच अंतर को पाटना है। उनके संबोधन ने देश की आर्थिक वृद्धि और विकास में सार्थक योगदान देने में सक्षम कुशल व्यक्तियों की एक पीढ़ी को विकसित करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

इसी तरह, एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने इस बात पर मूल्यवान दृष्टिकोण जोड़ा कि एनईपी ने एनआईटी उत्तराखंड में शैक्षणिक परिदृश्य और नीतियों को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने बहु-विषयक दृष्टिकोण को अपनाने और छात्रों के बीच नवाचार और अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देने में संस्थान की पहल पर चर्चा की। प्रो.अवस्थी ने एनईपी के मूल सिद्धांतों के अनुरूप समावेशन और सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने शिक्षा, उद्योग और सरकार सहित विभिन्न क्षेत्रों से हाथ मिलाने और संसाधनों को एकत्रित करने के महत्व पर जोर दिया। मजबूत सहयोग को बढ़ावा देकर, वे सामूहिक रूप से एक समावेशी और जीवंत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं जो छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करता है और उन्हें 21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और मूल्यों से लैस करता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, कौशल विकास और उद्यमिता उत्तराखंड के क्षेत्रीय निदेशक श्री रवि पितुकोटी और एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने अपने परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए आईआईटी रुड़की का आभार व्यक्त किया। प्रो. अवस्थी ने मीडिया को संबोधित करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के सफल कार्यान्वयन और निकट भविष्य में भारत के शैक्षणिक परिदृश्य पर इसके प्रभाव पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करने में संस्थान के सक्रिय प्रयासों को स्वीकार किया।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सफल कार्यान्वयन और भारत की शैक्षणिक परिदृश्य पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/रूड़की/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। शिक्षा नीति (एनईपी) के सफल कार्यान्वयन और निकट भविष्य में भारत के शैक्षिक परिदृश्य पर इसके प्रभाव पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए प्रेस सूचना ब्यूरो के अधिकारियों के साथ सोमवार को आईआईटी रूड़की में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रो. ललित कुमार अवस्थी निदेशक एनआईटी, उत्तराखंड, प्रो. कमल किशोर पंत निदेशक आईआईटी रूड़की और रवि चिलुकोटी, क्षेत्रीय निदेशक, कौशल विकास और उद्यमिता, उत्तराखंड ने भाग लिया।

बैठक के दौरान प्रोफेसर अवस्थी ने इस बात पर बहुमूल्य दृष्टिकोण जोड़ा कि एनईपी ने एनआईटी उत्तराखंड में शैक्षणिक परिदृश्य और नीतियों को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने बहु-विषयक दृष्टिकोण को अपनाने और छात्रों के बीच नवाचार और अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देने में संस्थान की पहल पर चर्चा की। उन्होंने ने एनईपी के मूल सिद्धांतों के अनुरूप समावेशन और सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला।

प्रोफेसर अवस्थी ने कहा 09 फ़रवरी 2022 को एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद मैंने चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर काम करना शुरू कर दिया था और सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद, इसे 28 फ़रवरी 2022 को संस्थान में लागू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के नजरिए से देखें तो स्थानीय भाषा में शिक्षा, समाज से जुड़ना, उद्योग जगत से जुड़ना, डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा; रैंकिंग और मान्यता; नवाचार और उद्यमिता; कौशल विकास और रोजगार; गुणवत्तापूर्ण, बहुविषयक और समग्र शिक्षा; शोध करना; गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों की क्षमता निर्माण एनईपी की प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि एनआईटी उत्तराखंड जैसे उभरते संस्थान के लिए, अन्य समृद्ध सहकर्मी संस्थानों की तुलना में इन सभी विचारों को कार्यों में बदलना एक अवसर और चुनौती दोनों है, फिर भी उत्कृष्टता हासिल करने और राष्ट्रीय शैक्षिक योजनाओं का अनुपालन पूरी जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ के करने की प्रतिबद्धता के बलबूते पर संस्थान ने हर स्तर पर महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रोफेसर अवस्थी ने संस्थान में एनईपी के कार्यान्वयन की प्रगति पर पीआईबी अधिकारियों के साथ जानकारी साझा करते हुए कहा कहा 09 फ़रवरी 2022 को एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद मैंने चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर काम करना शुरू कर दिया था और सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद, इसे 28 फ़रवरी 2022 को संस्थान में लागू कर दिया गया था । उन्होंने आगे कहा कि एनईपी 2020 को अपनाने के बाद से अब तक

1. एनआईटी उत्तराखंड द्वारा 469 अकादमिक बैंक क्रेडिट (एबीसी) खाते बनाए गए हैं जिनमें छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट की जानकारी शामिल है। यह छात्रों को कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में प्रवेश करने और छोड़ने के लिए कई विकल्प देने में सक्षम होगा।
2. 19 पूर्ण पाठ्य पीएचडी थीसिस को शोधगंगा पोर्टल पर और 1809 डिग्रियां और 2837 मार्कशीट को डिजी लॉकर प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया गया है। इस प्रमुख कार्यक्रम के द्वारा एनआईटीयूके एक ओर जहां भारत को कागज रहित बनाने में योगदान दे रहा है वहीं दूसरी ओर यह छात्रों को सार्वजनिक क्लाउड पर सुरक्षित दस्तावेज़ पहुंच मंच प्रदान कर रहा है।
3. मल्टीपल एंट्री मल्टीपल एग्जिट के माध्यम से एनआईटी उत्तराखंड ने डिप्लोमा/डिग्री पूरा करने कि बाध्यता को समाप्त करने और बीच में बाहर निकलने की दशा में छात्रों को कोई नुकसान न हो यह सुनिश्चित करने की कोशिश है साथ ही सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में सुधार के साथ ड्रॉपआउट दर को कम करने की दिशा में समाधान प्रदान किया है।
4. इंजीनियरिंग की प्रत्येक शाखा में यूजी और पीजी दोनों स्तरों के लिए माइनर और मेजर डिग्री का प्रावधान किया गया है जो नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सभी के लिए बहु-विषयक और लचीली शिक्षा का आह्वान करता है और एक साथ दो डिग्री प्रदान करके छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करने मदद करता है।
5. शिक्षा को बहु-विषयक और समग्र बनाने के लिए एनआईटी उत्तराखंड के छात्रों को स्वयं/एमओओसी पाठ्यक्रम के साथ साथ उन संस्थानों/विश्वविद्यालयों से लिबरल आर्ट्स, प्रबंधन और मानविकी के पाठ्यक्रम लेने की अनुमति है जिनके साथ एनआईटी उत्तराखंड का एमओयू है।
6. सभी विभागों ने एनईपी 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया है और किसी भी बैच छात्र को उसकी रूचि के अनुसार आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा स्ट्रक्चर जैसे पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने की अनुमति प्रदान की गयी है।
7. इन कार्यों के अलावा एनआईटी उत्तराखंड पाठ्यक्रम सामग्री को कम करके और विश्लेषणात्मक और तार्किक सोच, प्रायोगिक शिक्षा, परियोजना आधारित शिक्षा और रचनात्मकता जैसे 21 वीं सदी के कौशल पर ध्यान केंद्रित करके छात्रों के समग्र विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके लिए बी.टेक.और एम.टेक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप शुरू की गई है। बी.टेक/एम.टेक छात्रों के लिए विभागों द्वारा विशेष मॉड्यूल (बी-श्रेणी पाठ्यक्रम-विभिन्न एफडीपी/एसटीसी/एसटीटीपी/कार्यशाला (1 या 2 क्रेडिट के साथ 5 दिवसीय पाठ्यक्रम) कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रोफेसर अवस्थी ने पीआईबी अधिकारियों को एनआईटी में अंडरस्टैंडिंग एनईपी 2020 विषय पर आयोजित पत्रकार वार्ता का हवाला देते हुए कहा कि एनआईटी संस्थान के भीतर एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के साथ साथ विभिन्न मीडिया और संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से आम लोगों को एनईपी 2020 की प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराने में भी संलग्न है।

अंत में प्रोफेसर अवस्थी ने आईआईटी रूड़की सहित शिक्षा,उद्योग और सरकार से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों से एमओयू पर हस्ताक्षर करके हाथ मिलाने और संसाधनों को एकत्रित करने के महत्व पर जोर दिया और कहा मजबूत सहयोग को बढ़ावा देकर, हम सामूहिक रूप से एक समावेशी और जीवंत शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं जो छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने और उन्हें 21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने में मददगार साबित होगा।

इस दौरान प्रो.अवस्थी और रवि चिलुकोटी ने अपने परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए आईआईटी रूड़की के निदेशक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया को संबोधित करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के सफल कार्यान्वयन और निकट भविष्य में भारत के शैक्षणिक परिदृश्य पर इसके प्रभाव पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करने में आईआईटी, रूड़की के सक्रिय प्रयासों की सराहना की ।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

शिक्षा एवं कौशल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम एनईपी 2020 सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने कार्यक्रम में विचार विमर्श किया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने शिक्षा मंत्रालय और कौशल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित किये जा रहे द्वितीयअखिल भारतीय शिक्षा समागम में भाग ले रहें है। इस दो दिवसीय शिक्षा सम्मेलन में प्रोफेसर अवस्थी अपने समकक्षों, शिक्षाविदों, स्कूलों, उच्च शिक्षण संस्थानों और कौशल संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ एनईपी 2020 को सफलता पूर्वक लागू करने के लिए रणनीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, विचार-विमर्श और अंतर्दृष्टि साझा करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन और देश में शिक्षा के भविष्य को आकार देने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी पहल के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम हिस्सा बनने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पॉलिटेक्निक परिसर स्थित सभागार में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के समक्ष कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का सजीव प्रसारण भी किया गया।

संस्थान के प्रभारी कुलसचिव और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि निदेशक के निर्देशनुसार उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्बोधन को सुनने और लाइव उद्घाटन सत्र देखने में सक्षम बनाने के लिए संस्थान द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी है ताकि संस्थान के संकाय सदस्य , कर्मचारीगण और छात्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल उद्देश्यों जैसे समावेशी शिक्षा, सर्वग्राही शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण आदि से भली भाँति परिचित हो सकें।

इस दौरान डॉ हरिहरन मुथुसामी, डीन फैकल्टी वेलफेयर; डॉ सनत अग्रवाल, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी, डॉ राकेश मिश्रा एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ शिवा कुमार तडेपल्ली, समन्वयक शिक्षा मंत्रालय गतिविधि के अलावा अन्य समस्त विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, छात्र एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

एनआईटी में अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हुआ लाइव प्रसारण

शाह टाइम्स/संवाददाता

श्रीनगर। शिक्षा मंत्रालय और कौशल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित किये जा रहे द्वितीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम का के पॉलिटेक्निक परिसर स्थित सभागार में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के समक्ष कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का सजीव प्रसारण भी किया गया। बैठक में प्रतिभाग कर रहें एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने अपने समकक्षों, शिक्षाविदों, स्कूलों, उच्च शिक्षण संस्थानों और कौशल संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ एनईपी 2020 को सफलता पूर्वक लागू करने के लिए रणनीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, विचार-विमर्श और अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। संस्थान के प्रभारी कुलसचिव और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्रो. अवस्थी के निर्देशनुसार उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्बोधन को सुनने और लाइव उद्घाटन सत्र देखने में सक्षम बनाने के लिए संस्थान द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी है ताकि संस्थान के संकाय सदस्य, कर्मचारीगण और छात्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल उद्देश्यों जैसे समावेशी शिक्षा, सर्वग्राही शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण आदि से भली भांति परिचित हो सकें। इस दौरान डा. हरिहरन मुथुसामी, डीन फैकल्टी वेलफेयर; डा. सनत अग्रवाल, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी डा. राकेश मिश्रा एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डा. शिवा कुमार तडेपल्ली सहित आदि मौजूद थे।